

वार्तालाप नं.1243, तिरुपति, तारीख-28.10.11
Disc.CD No.1243, dated 28.10.11 at Tirupati
Extracts

(समय:-00:04:15-00:11:29)

जिज्ञासु – महाराणा प्रताप को घास क्यों खाना पड़ा?

बाबा – घास की रोटियाँ क्यों खानी पड़ी? अब घास खाते कौन हैं? घास कौन खाते हैं? मनुष्य घास खाते हैं या जानवर घास खाते हैं?

जिज्ञासु – जानवर।

बाबा – और जानवरों में भी शेर जैसे खूँखार पशु घास खाते हैं या साधारण पशु होते हैं वो घास खाते हैं? और महाराणा प्रताप की महिमा भारत के वीरों के बीच में होती है या साधारण मनुष्यों के बीच होती है? भारत में जितनी वीरता दिखाई गई है उतनी वीरता और किसी देश के वासियों में नहीं दिखाई गई है। जैनियों में लास्ट सो फर्स्ट और फर्स्ट सो फास्ट पार्ट बजाने वाला भगवान का पार्ट महावीर का दिखाया गया है। उस महावीर की पूजा माउन्ट आबू में आज भी वीरबाबा के रूप में होती है। इतना बड़ा वीर गाया जाने वाला और हिस्ट्री में दिखाया गया है घास की रोटियाँ खाता था। ऐसे होने का कारण ये है कि बाबा ने मुरली बोल दिया है कि दुनिया की ऐसी कोई बात नहीं है जो तेरे उपर लागू ना होती हो। हिंसक युद्ध तो किया लेकिन स्वाभिमान के लिए किया या स्वार्थ के लिए किया? स्वाभिमान के लिए किया। स्वाभिमान को बचाने के लिए हिंसक युद्ध भी करना पड़ा; परंतु जानवर जैसे शेरों की तरह हिंसा नहीं की, अपने जीवनयापन के लिए किसी से भीख नहीं मांगी।

Time: 04.15-11.29

Student: Why did Maharana Pratap have to eat grass?

Baba: Why did he have to eat grass-rotis? Well, who eats grass? Who eats grass? Do human beings eat grass or do animals eat grass?

Student: Animals.

Baba: And even among the animals, do ferocious animals like lion eat grass or do ordinary animals eat grass? And is Maharana Pratap counted among the brave people of Bharat or among ordinary people? The residents of no other country have been depicted to have as much bravery as the Indians. Mahavir is shown to play the *part* of God who goes '*last so first and first so fast*' among the Jains. That Mahavir is worshipped even to this date in Mount Abu as Vir Baba. He is praised to be so brave and it has been shown in the *history* that he used to eat *rotis* made of grass. Its reason is that Baba has said in the murli that there is nothing in the world that isn't applicable to you. He did wage a violent war, but did he wage it for self-respect or for selfish purpose? He waged it for self-respect. In order to save his self-respect he had to wage a violent war as well. But he did not indulge in violence like animals, like lions; he did not beg from anyone for his livelihood.

जैसे आज की दुनिया में जो लोग होते हैं गरीब तो घास-पास खाकर के जिंदा रह लेते हैं। घास में कोई कम ताकत होती है क्या? जो दूब घास होती है वो ज्यादा ताकतवर होती है या कम ताकतवाली होती है? ताकत तो बहुत है। उस घास से ही गाय का दूध बनता है; परंतु लोग घास को नीचा समझते हैं। घास हर जगह मिल जाती है, उसका मूल्य कुछ भी नहीं है। कहीं भी जंगल में जाओ घास काट लो। साधारण खाद्य पदार्थों के मुकाबले घास में ज्यादा ताकत है परंतु जो साहुकार लोग होते हैं वो घास को साधारण समझते हैं। भक्तिमार्ग में गीत भी बनाये हुए हैं – घास खाये गउएँ दूध पिये ग्वाल और माखन मिश्री मदन गोपाल। तो गौओं को साधारण बनाय लिया या गौओं को महान बताया? क्या समझ लिया भक्तों ने? गौओं को साधारण बनाए दिया। शिवबाबा आते हैं तो गौओं की ही प्रधानता देते हैं। बताते हैं

भारतमाता शिवशक्ति अवतार अंत का ये नारा है। वो साधारण जीवन में पलने वाली गउएँ भारत को स्वर्ग बनाती हैं। ये स्वाभिमान से जीवन जीने की बात है। इसे नीचा नहीं समझना चाहिए। पराधीन होकर के मक्खन डबल रोटी भी मिले वो नीची चीज़ है और स्वाधीन होकर के घास की रोटियाँ भी खानी पड़े तो वो अच्छी है।

For example, the poor people of today's world survive by eating grass etc. Does grass have any less power? Does the *duub* grass¹ give more strength or less strength? It gives a lot of strength. It is that grass which forms cow's milk, but people consider grass to be of little worth. Grass can be found everywhere. It does not cost anything. You can go anywhere in a jungle and cut grass. When compared to ordinary eatables, grass gives more strength. But the rich people consider grass to be ordinary. Songs have also been penned in the path of *bhakti*: *ghaas khaaye gauen, duudh piye gvaal aur maakhan mishri madan gopal* (Cows eat grass, cowherds drink milk and Madan Gopal [a name of Krishna] eats butter and *mishri* [sugar candy]). So, did they make the cows ordinary or did they mention the cows to be great? What did the devotees think? They made the cows ordinary. When Shivbaba comes, He gives importance only to the cows. He says 'Mother India the incarnation of *Shivshakti*² - this is the slogan of the end'. Those cows who lead an ordinary life make India heaven. This is about leading a life of self-respect. It shouldn't be considered to be lowly. If you get butter and bread being subordinates, then it is a lowly thing and even if you have to eat grass *rotis* being independent, it is better.

(समय:-00:12:07-00:15:45)

जिज्ञासु – जो भ्रष्टाचार कर रहे हैं उनको फाँसी लगाना ठीक है या...?

बाबा – क्यों फाँसी लगाना किसी को ठीक है?

जिज्ञासु – वो गलत कर रहे ?

बाबा – फाँसी लगाते हैं तो देह का नुकसान होता है, देह मरती है या आत्मा मरती है?

जिज्ञासु – देह।

बाबा – देह मरती है। ऐसे थोड़े ही हैं कि फाँसी लगाने से आत्मा सतोप्रधान बन जाती है। फाँसी लगाने वाले अथवा सुसाईड करने वाले अथवा हत्या करने वाले अथवा जिनकी हत्या होती है वो सब भूत प्रेत योनियों में जाने वाले हैं। उससे तो नुकसान ही होता है। वेस्टेज ऑफ टाइम, मनी और एनर्जी होता है। ये कोई ईश्वरीय दंडविधान नहीं है; ये आसुरी दुनिया के दंडविधान हैं कि कोई बड़ा पाप करता है तो उसे सूली पे चढ़ा दो।

Time: 12.07-15.45

Student: Is it correct to hang those who indulge in corruption or...?

Baba: Why is it correct to hang someone?

Student: When they are doing something wrong.

Baba: When someone is hanged, then does it do harm to the body, does the body die or does the soul die?

Student: The body.

Baba: The body dies. It is not that by hanging someone his soul becomes *satopradhaan*. Those who hang [others], those who commit *suicide*, murder someone or those who are murdered all of them go into the category of ghosts and spirits. That does just harm. It leads to *wastage of time, money and energy*. This is not the Divine (*iishvariya*) penal code; it is the penal code of the demonic world that if anyone commits a big sin, then hang him.

¹ Any of several types of soft grass, as *Cynodon* or *Panicum dactylon* (commonly used as fodder)

² Consort of Shiva

जिज्ञासु – जिनको फाँसी नहीं चढ़ाते तो उन्हें उम्र कैद की सजा देते हैं....

बाबा – आज की दुनिया के तो जितना भी दंडविधान है वो ईश्वरीय दंडविधान के बिल्कुल उल्टा ही है। वहाँ देह के आधार पर उम्र कैद है; यहाँ तो हर बात ईश्वरीय ज्ञान में आत्मा के आधार पर है। कोई आत्मा अगर ईश्वरीय विधान के अनुसार नहीं चलती है, सारा ब्राह्मणत्व के जीवन में ईश्वरीय विधान के प्रतिकूल चलती है तो जन्म-जन्मान्तर रावण की जेल में जन्म लेती है या स्वर्ग में जन्म लेती है? क्या होता है? गीता में भी लिखा हुआ है—मूढ़ा जन्मनी जन्मनी। ऐसी मूर्ख आत्मायें जो मेरी श्रीमत को नहीं पहचान पाती, श्रीमत पर नहीं चलती वो मूढ़ आत्मायें जन्म-जन्मान्तर नर्क की योनियों में ही जन्म लेती हैं। ये ही उनका आजन्म कारावास हो गया। भक्तिमार्ग में हर बात को देह के आधार पर उठाते हैं और ज्ञानमार्ग में हर बात आत्मिक स्थिति के आधार पर उठाई जाती है।

Student: Those who are not hanged are sentenced to life imprisonment...

Baba: The penal code of today's world is totally opposite to the penal code of God. There is life imprisonment there on the basis of the body; here everything in the Divine knowledge is on the basis of the soul. If any soul does not act in accordance with the Divine law, if it acts against the Divine law in the entire Brahmin life, then does it have birth in Ravan's jail birth after birth or does it have birth in heaven? What happens? It has been written in the Gita as well: *Muudha janmani-janmani*. Such ignorant souls who are unable to recognize My *shrimat*, do not follow *shrimat*, such ignorant souls are born in the species of hell birth after birth. This itself is their life imprisonment. In the path of *bhakti* they grasp every topic on the basis of the body and in the path of knowledge every topic is grasped on the basis of the soul conscious stage.

(समय:—00:15:50—00:18:53)

जिज्ञासु – बाबा शिव तत्व, ईश्वर तत्व या परमात्म तत्व क्या है?

बाबा – ईश माना शासन करना, वर माना श्रेष्ठ। ईश्वर माना श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ शासन करने वाला। जैसे अभी बताया मनुष्यों की दुनिया में जो शासन करते हैं, दंडविधान अपनाते हैं तो वो हिंसा करते हैं शरीर की। ईश्वरीय शासन ऐसा नहीं, शारीरिक हिंसा करना नहीं सिखाता; ये तो आत्मा को रियलाजेशन करना सिखाता है। ईश्वर से ज्यादा अच्छा शासक दुनिया में कोई होता ही नहीं है। सबसे अच्छा शासक होने के कारण उसका नाम रखा गया ईश वर – दोनों शब्दों को मिला के बनता है ईश्वर। ऐसी आत्मा रूपी तत्व, चैतन्य तत्व जो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ शासनकर्ता है। किसी को फाँसी पर भी नहीं चढ़ाता है, किसी को डंडे भी नहीं लगाता है; प्यार से पढ़ाई पढ़ाता है। 70 साल से भी ऊपर हो गये पढ़ाई पढ़ाते—2 ईश्वर को। कोई बताये किसी को टेढ़ी आँख से भी देखा हो। फिर भी नई दुनिया की राजधानी स्थापन हो जाती है। ऐसा श्रेष्ठ शासक और न दुनिया में कोई हुआ है और न भविष्य में कोई होगा इसलिए उसको ईश्वर कहा जाता है। वो श्रेष्ठ शासन करने वाली आत्मा शिव आत्माओं के बीच में परम पार्ट बजाने वाली परम आत्मा में प्रवेश करता है इसलिए फिर वो परमात्म तत्व भी है लेकिन चैतन्य आत्मा है। तब कहा जाता है सत्, चित्, आनंद।

Time: 15.50-18.53

Student: Baba, what is meant by *Shiv tatva*, *Ishvar tatva* or *Parmatma tatva*?

Baba: *Ish* means to govern; *var* means elevated. *Ishvar* means the one who governs in the most elevated manner. For example, it was mentioned just now that those who govern in the world of human beings, in the penal code that they adopt, they indulge in physical violence. The Divine governance is not like that, it does not teach using physical violence; it teaches the *realization* of the soul. There is no ruler better than God in the world. Because of being the best ruler He has been named *Ish var*. [The word] *Ishvar* is formed by combining both words. A soul like element, living element which is the most elevated ruler. He does not hang anyone;

He does not beat anyone with a stick either; He teaches lovingly. It has been more than 70 years since God is teaching. Can anyone say that He saw someone with displeasure (*tedhi aankh*)? Yet the capital of the new world is established. There wasn't such a righteous ruler in the world so far nor will there be any such person in the world. This is why He is called *Ishvar*. That Shiva, the soul who rules in an elevated manner enters in the supreme soul, the soul who plays the supreme *part* among the souls; this is why He is the *parmatma tatva* as well, but He is a living soul. It is then that He is called *satt, citta, anand*.

(समय:-00:19:04-00:28:22)

प्रश्न – कोई ने पूछा है आम फलों का राजा है और केला फलों की रानी है। फलों की रानी वर्ष भर, बारहों मास फलती है, मिलती है लेकिन आम हर सीज़न में नहीं मिलता है। इसका बेहद का अर्थ क्या है?

बाबा— बेहद अर्थ में फलों का राजा कौन है? संस्कृत में कहते हैं आम्र – आया और मरा। बाबा कहते हैं तीन प्रकार के पतंगे हैं। एक वो पतंगे हैं – जो आते हैं और तुरंत मर जाते हैं, शमा पर फिदा हो जाते हैं, तुरंत दान, क्या कहा? महान कल्याण। वो है फर्स्ट क्लास पतंगे, ऊँच ते ऊँच पद पाने वाले। चैतन्य पुरुषार्थियों की बात है। दूसरे हैं – आते तो हैं, चक्कर भी काटते हैं लेकिन चक्कर लगाते हुए आने मात्र से उनकी मूँछ जलती है, टाँग जलती है, हाथ झुलसता है तो भाग खड़े होते हैं। फिर आते हैं फिर भागते हैं—2 ऐसे चक्कर ही काटते रहते हैं। आये बिगर भी उनसे नहीं रहा जाता और भागे बिगर भी नहीं रहा जाता। आने के लिए भी मजबूर हैं और भागने के लिए भी मजबूर हो जाते हैं। वो है नम्बर दो के पतंगे और तीसरे वो हैं थर्ड क्लास जो एक बार आते हैं , अंग झुलस गये तो ऐसे भागे फिर दुबारा आते ही नहीं। भल सारी दुनिया का विनाश हो जाये तो भी नहीं आते। तो उनमें श्रेष्ठ फल बताया आम्र – आया और मरा। वो आम्र फल कौन है अव्वल नंबर का? आम की वैराइटी तो अनेक प्रकार की होती है लेकिन देशी आम अच्छा होता है या सेहत के लिए विदेशी आम अच्छा होता है?

जिज्ञासु – देशी आम।

Time: 19.04-28.22

Question: Someone has asked that mango is the king of fruits and banana is the queen of fruits. The queen of fruits grows and is available throughout the year, , but mango is not available in every *season*. What does it mean in the unlimited?

Baba: Who is the king of fruits in the unlimited? In Sanskrit it is called *aamra - aayaa aur maraa* (it came and died). Baba says that there are three kinds of moths. One kind is those who come and die immediately; they sacrifice themselves on the flame; immediate donation (*turant daan*) - what has been said? – is highly beneficial (*mahaan kalyaan*); they are the *first class* moths, the ones who achieve the highest position. It is about the living *purushaarthi*s (those who make spiritual effort). The second kind is those who do come, they also revolve [around the flame], but while revolving, just by coming when their moustache burns, their leg burns, their hand burns, they run away. They come again and run away. They come again and run away. In this manner they just keep revolving. They cannot live without coming and they cannot live without running away either. They are bound to come and they are bound to run away as well. They are the number two moths. And the third kind is those, the *third class* ones who come once and if any part of their body burns, then they run away in such a way that they do not return at all. Even if the entire world is destroyed they do not come. So, the best fruit among them was mentioned to be *aamra*, the one who came and died. Who is that No.1 mango fruit? There are many varieties of mango. But is the indigenous mango good for health or is the foreign mango good?

Student: Indigenous mango.

बाबा – देशी आम अच्छा होता है। तो वो देशी आम है भारत का पार्टधारी। देशी आम सीज़न में एक ही बार फलता है। बाकी अभी तो फलों की ऐसी-2 वैराइटी निकल पड़ी है आम की जो दो-2, तीन-3 बार भी फल देती है। वो ऐसी पुरुषार्थी आत्मा है जो पुरुषार्थ कर के 84 का चक्र लगाने के भी बावजूद पूरे 5000 वर्ष के चक्र में एक ही बार विश्व का मालिक बनती हैं और फलों की रानी है केला। तो कौनसा केला है? केलों में भी वैराइटी होती है। छोटा केला अच्छा होता है या बड़ा केला अच्छा होता है? छोटा केला अच्छा होता है। छोटा केला है छोटी माँ और बड़ा केला है बड़ी माँ। कौनसे प्रदेश में केला सबसे जास्ती होता है? छोटा केला कौनसे प्रदेश में सबसे जास्ती होता है? अरे!

जिज्ञासु – दक्षिण भारत।

बाबा – दक्षिण भारत में भी प्रदेश कौनसा? अरे, वो छोटा जीरा केला जिसे कहते हैं? आंध्र प्रदेश। नाम क्या रखा है? आंध्रा। अंधा-लंगड़े की कहानी सुनी है? क्या? अंधी है विजयमाला और लंगड़ी है रुद्रमाला। तो नाम क्या रखा? आंध्रा। सागर के बहुत नज़दीक कौनसा प्रदेश है? जो प्रदेश का सबसे जास्ती लम्बा हिस्सा, सबसे जास्ती लम्बा किनारा आंध्राप्रदेश में है, सागर के नज़दीक-2 फैला हुआ है? दिल से नज़दीक है या दिमाग से नज़दीक है? दिल से नज़दीक है। वो विजयमाला की हेड कौन है? छोटी माँ। वो हर जन्म में पवित्रता का पालन करने वाली है कि सिर्फ संगमयुग में पवित्र बनकर सबसे ऊँचा पार्ट बजाती है? हर सीज़न में ही उसका पवित्रता का पार्ट है। वेर इज़ प्योरिटी देयर इज़ पीस एण्ड प्रॉस्पेटी। ऐसे तो नहीं कि कोई एक सीज़न में, 1-2 महीने में फलती है। वो सदैव ही फलीभूत है।

Baba: The indigenous mango is good. That indigenous mango is the actor playing the part of Bharat. Indigenous mango is produced only once in a season. Nonetheless, now such varieties of mango have emerged that produce fruits twice or thrice a season. He is such a *purushaarthi* soul that despite making *purushaarth* and completing the cycle of 84 births becomes the master of the world only once in the cycle of 5000 years. And the queen of fruits is banana. So, which banana is it? There is a variety among bananas as well. Is the small-sized banana good or is the large-sized banana good? The small-sized banana is good. The small-sized banana is the junior mother and the large-sized banana is the senior mother. In which area is banana cultivated the most? In which area is the small-sized banana produced the most? *Arey?*

Student: South India.

Baba: Which state even in the south India? *Arey*, the small sized banana, which is called '*jiiraa kelaa*'? Andhra Pradesh. What is the name? Andhra. Have you heard the story of the blind and the lame? What? The *Vijaymala*³ is blind (*andhi*) and *Rudramala*⁴ is lame (*langdi*). So, what was it named? Andhra. Which state is very close to the ocean? The longest coastline is in Andhra Pradesh, it is spread close to the ocean. Is it close with the heart or with the brain? It is close with the heart. Who is the head of the *Vijaymala*? The junior mother. Does she follow purity in every birth or does she play the highest *part* by becoming pure in just the Confluence Age? She plays the *part* of purity in every *season*. *Where [there] is purity there is peace and prosperity*. It is not that it fruits in one *season* or in one or two months. She is always fruitful.

(समय:-00:28:27-00:30:29)

जिज्ञासु – युगलों का भविष्य में नाम बाला होगा बाबा लेकिन कुमारों का नहीं होता है।

बाबा – कुमार अभी नाम बाला कर रहे हैं कि शादियाँ करते जा रहे हैं? या गुप-चुप शादी कर लेते हैं किसी को पता भी नहीं चलता? कोई उंगली भी नहीं उठा सकता कि इन्होंने क्या

³ The rosary of victory

⁴ The rosary of Rudra

किया? कुमार, कुमार जीवन में ज्यादा पाप कर रहे हैं या युगल ज्यादा पाप कर रहे हैं? बोलो ना। अरे, बोलने में थोड़े ही शर्म आनी चाहिए।

जिज्ञासु – कुमार।

बाबा – कुमार ज्यादा पाप करते हैं। तो ज्यादा लम्बे समय पुरुषार्थी जीवन में जो पाप करेंगे उनका नाम बाला होगा या जो ज्यादा लम्बे समय पुरुषार्थी जीवन में नाम बाला करेंगे उनका नाम बाला होगा? लम्बे समय के पुरुषार्थ को देखा जाता है ना। इसलिए बोला कि भविष्य में जब रिजल्ट निकलेगा तो युगलों का नाम बाला होगा।

जिज्ञासु – सब कुमार शादी कर के युगल बन जायेंगे।

बाबा – हरेक कुमार?

जिज्ञासु – शादी कर के युगल बन जायेंगे।

बाबा – हरेक कुमार शादी करे?

जिज्ञासु – युगल बने।

बाबा – युगल बने? माना ज्ञान में आने के बाद इंगेजमेन्ट नहीं किया है? जिसके साथ इंगेजमेन्ट किया है वो पसंद नहीं आया।

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा – पसंद भी आया फिर दूसरी शादी भी करनी है? ये क्या बात हुई?

Time: 28.27-30.29

Student: Baba, couples are going to become famous in future; but *kumars* (bachelors) don't become famous.

Baba: Are the *kumars* bringing fame [to Baba] now or are they getting married? Or do they get married stealthily and nobody even comes to know of it, nobody can even point a finger [at them, saying:] 'What have they done!' Are *kumars* committing more sins in *kumar* life or are the couples committing more sins? Do speak up. *Arey*, you shouldn't feel ashamed in speaking.

Student: *Kumar*.

Baba: *Kumars* commit more sins. So, will those who commit sins for a long period in the *purushaartha* life become famous or will those who bring fame for a long period in the *purushaartha* life become famous? The *purushaartha* of a long time is taken into account, isn't it? This is why it was said that when the *result* comes out in future, then the couples will become famous.

Student: All *kumars* will marry and become couples.

Baba: Every *kumar*?

Student: They will marry and become couples.

Baba: Should every *kumar* get married?

Student: They should become couple.

Baba: They should become couples? Does it mean you have not undergone *engagement* after entering the path of knowledge? [It means] you did not like the one with whom they have undergone *engagement*.

Student said something.

Baba: You liked Him and you want to remarry as well? What is this?

(समय:—00:30:35—00:32:56)

जिज्ञासु – बाबा कई मुरलियों में बाबा ने बताया यमुना के कंठे पर सुखधाम होता है लेकिन भारतवासी गंगा को बहुत मानते हैं, मान्यता देते हैं। ज्ञान गंगा भी कहते हैं तो उसके किनारे पर क्यों नहीं होता सुखधाम?

बाबा – एक है गोरी नदी और एक है काली नदी। काली माना पतित और गोरी माना पावन। गृहस्थी ज्यादा काले बनते हैं या सन्यासी ज्यादा काले बनते हैं? गंगा गृहस्थियों में है या सन्यासियों में है?

जिज्ञासु – सन्यासी।

बाबा – सन्यासियों में है। तो भगवान बाप सन्यासियों के बीच में प्रत्यक्ष होते हैं या गृहस्थियों के बीच में प्रत्यक्ष होते हैं?

जिज्ञासु – गृहस्थी।

बाबा – गृहस्थियों के बीच में प्रत्यक्ष होते हैं। जो गृहस्थी हैं वही यमुना जैसा काला जीवन बिताते हैं।

जिज्ञासु – सरस्वती ज्यादा टाईम बाप के पास रहती है ना। सरस्वती नदी।

बाबा – लेकिन लोप भी तो हो जाती है। अभी सरस्वती जगदम्बा लोप है या दिखाई देती है? बेसिक में भी बीच में आती है, बीच में लोप हो जाती है। एडवान्स में भी बीच में प्रत्यक्ष होती है, बीच में ही लोप हो जाती है। इसलिए गंगा, यमुना देखने में आती है।

Time: 30.35-32.56

Student: Baba, Baba has said in many murlis that the Abode of Happiness (*sukhdhaam*) is established on the banks of Yamuna, but the Indians give a lot of importance to the Ganga; they give respect to her; they also say the Ganges of knowledge; so, why isn't the Abode of Happiness established on its banks?

Baba: One is the fair river and the other is the dark river. Dark means sinful and fair means pure. Do the householders (*grihasthis*) become darker or do the *sanyasis* become darker? Is the Ganges among the householders or among the *sanyasis*?

Student: *Sanyasi*.

Baba: She is among the *sanyasis*. So, is God the Father revealed amongst the *sanyasis* or among the *grihasthis*?

Student: *Grihasthi*.

Baba: He is revealed among the *grihasthis*. Only those who are *grihasthis* lead a dark life like Yamuna.

Student: Saraswati, the river Saraswati spends more time with the Father, doesn't she?

Baba: But she also vanishes. Has Saraswati Jagdamba vanished now or is she visible? Even in the *basic* [knowledge] she comes in between and vanishes in between. Even in the *advance* [party] she is revealed in the middle and vanishes in the middle. This is why the Ganges and Yamuna are visible.

(समय:-00:33:05-00:34:46)

जिज्ञासु – 51-52 में बहनों को अपने घर सेवा करने भेजा था। आदि में जो हुआ तो अंत में भी होगा?

बाबा – परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए कि कितनी शक्ति है? मुकाबला करने की कितनी पॉवर है इस बात की परीक्षा होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए?

जिज्ञासु – होनी चाहिए।

बाबा – और परीक्षा जिंदगी भर होती है या थोड़े टाईम के लिए होती है? परीक्षा थोड़े दिनों की होती है या सारी जिंदगी की होती है? थोड़े दिन की परीक्षा होती है। तो वो थोड़े दिन की परीक्षा होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए? होनी चाहिए। परीक्षा में अगर पास नहीं होंगे तो फिर ऊँच पद कैसे पावेंगे? दुनिया तो प्रूफ मांगती है कि इन आत्माओं में ऐसी कौनसी विशेषता है जो इनका माला में इतना ऊँच पद बन गया; हमारा नम्बर आगे क्यों नहीं रहा? तो उनको क्या प्रूफ दिया जावेगा? यही प्रूफ दिया जावेगा। जो सच्चा होता है वो लम्बे समय तक स्थाई रहता है, जो झूठ होता है उसके पाँव नहीं होते हैं, भाग जाता है, लोप हो जाता है।

Time: 33.15-34.46

Student: In 1951-52 the virgins were sent home to do service. Will whatever happened in the beginning happen in the end as well?

Baba: Shouldn't they be tested [to see] how much power they have? Should an examination be held [to see] how much power of confrontation they have or not?

Student: It should.

Baba: And does a test take place throughout the life or does it take place for a little *time*? Does a test take place for a few days or does it take place throughout the life? There is test for a few days. So, should that test for a few days take place or not? It should take place. If you do not *pass* in the test, how will you achieve a high position? The world asks for *proof*, [they ask:] what specialty do these souls have so that they achieved such a high position in the rosary? Why didn't we get a number ahead [of them]? So, what *proof* will they be given? This is the *proof* that they will be provided. The one who is true remains stable for a long period; the one who is false does not have legs; he runs away, he vanishes.

(समय:—00:34:54—00:40:07)

प्रश्न — बालाजी के मंदिर में चावल का भोग देते हैं लेकिन हरेक आत्मा लड्डू को महत्व क्यों देती है?

बाबा— चावल पकाने के बाद लड्डू बन जाये वो चावल अच्छा लगता है या अलग-2 हो जाये वो अच्छा लगता है? कौनसा चावल खाने में अच्छा लगता है? जो चावल अलग-2 हो जाता है वो अच्छा लगता है। ये आत्मा भी चावल है। जब देह अभिमान का पूरा छिलका उतर जाता है और पुरुषार्थ में आत्मा पक जाती है तो हर आत्मा का संस्कार एक-दूसरे से भिन्न नजर आता है। एक आत्मा का संस्कार दूसरे से मिलता हुआ दिखाई नहीं देगा। ऐसी श्रेष्ठ आत्माओं का भोग भगवान पसंद करते हैं; लेकिन मनुष्य लड्डू पसंद करते हैं। लड्डू का मतलब है संगठन। मनुष्य संगठन में रहना पसंद करता है या अकेला रहना पसंद करता है? संगठन में रहना पसंद करता है। जो आत्मिक स्थिति धारण करने वाले हैं वो आत्मिक स्थिति में आत्मार्थ स्वतंत्र रूप से रहती हैं। एक-दूसरे का आधार लेकर के नहीं रहती। लड्डू में सब एक-दूसरे से चिपक के रहते हैं, संगठित होकर के रहते हैं। ऐसे संगठन का जीवन सामाजिक प्राणी मनुष्य है उसको अच्छा लगता है।

Time: 34.54-40.07

Question: *Bhog*⁵ of rice is offered in the temple of Balaji, but why does every soul give importance to the *laddu* (a sweetmeat offered to the devotees at the above temple)?

Baba: If the rice becomes like a *laddu* (sticky ball) after being cooked, does it look good or does it look good if the grains are separate? Which rice feels good to eat? The rice in which the grains are separate feels good. This soul is also rice. When the peel of body consciousness comes off completely and the soul bakes in *purusharth*, then the *sanskaars* of every soul appear different from each other. The *sanskaar* of one soul will not appear to match with the other. God likes the *bhog* of such elevated souls, but people like *laddus*. *Laddu* means *sangathan* (gathering). Does a human being like to live in a *sangathan* or does he like to live alone? He likes to live in *sangathan*. The souls who assimilate a soul conscious stage remain independent [in that stage]. They do not take the support of each other. In a *laddu*, everyone stays stuck to each other. They remain together. Human being, a social animal likes such life of gathering.

जिज्ञासु — ज्यादा संगठन इस्लामीयों में होता है....

बाबा — हाँ, इस्लाम धर्म की आत्मार्थ संगठन में रहने में सबसे आगे हैं। और धर्म इतने संगठित होकर के नहीं रहते हैं। वो संगठन उनका सतयुग-त्रेता में प्रत्यक्ष होता है या द्वापर-कलियुग में प्रत्यक्ष होता है?

⁵ Food offered to the dieties

जिज्ञासु – द्वापर-कलियुग में।

बाबा – क्यों?

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा – नहीं। उनके संगठन की युनिटी की प्योरिटी तमोप्रधान युग में प्रत्यक्ष होती है। उनके अंदर ये नियम बना हुआ है कि कोई भी मुसलमान ज्यादा से ज्यादा चार शादियाँ कर सकता है। उससे ज्यादा शादियाँ कर के अगर कोई रहेगा तो उसको शासन दंड देता है और हिंदुओं में ऐसी कोई नियमावली नहीं है। तो ज्यादा अपवित्र कौन हुए? हिंदू ज्यादा अपवित्र बनते हैं या मुसलमान ज्यादा अपवित्र बनते हैं? कौन?

जिज्ञासु – हिंदू।

बाबा – हिंदू ज्यादा अपवित्र बनते हैं। ज्यादा इमप्योरिटी साबित करती है कि उनमें प्योरिटी नहीं है। तो मुसलमानों की युनिटी है कलियुगी और भारतवासियों की युनिटी है, कौनसी? सतयुगी। वो सतयुगी युनिटी भगवान आकर के स्थापन करते हैं।

Student: There is a greater gathering of the people of Islam...

Baba: Yes, the souls of Islam are ahead of everyone in living in a gathering. [The souls of] other religions do not remain so united. Is their gathering revealed in the Golden Age and Silver Age or in the Copper Age and Iron Age?

Student: Copper Age and Iron Age.

Baba: Why?

Student said something.

Baba: No. The *purity of unity* of their gathering is revealed in the *tamopradhaan* age. There is a rule among them that any Muslim can marry four times at the most. If anyone marries more than that limit, then the government punishes him; and there is no such rule among the Hindus. So, who is more impure? Do the Hindus become more impure or do the Muslims become more impure? Who?

Student: The Hindus.

Baba: The Hindus become more impure. More *impurity* proves that they do not have purity. So, the *unity* of the Muslims is of the Iron Age and the *unity* of the Indians is of what kind? Of the Golden Age. God comes and establishes that unity of the Golden Age.

(समय:—00:45:05—00:47:46)

प्रश्न – बाबा गीता में बाप के बदले बच्चे का नाम डाल दिया है। शिवबाबा के बदले कृष्ण का नाम डाल दिया है तो शूटिंग पीरियड में इसकी शूटिंग कैसे होती है? क्या बेसिक वालों ने पिताश्री का नाम डाल दिया ये शूटिंग हो गई? तो एडवान्स वाले उनके भी बीज हैं तो एडवान्स वालों की शूटिंग में, शूटिंग पीरियड में क्या भूल हो जाती है?

बाबा— अरे, भूल ही भूल होती रहेगी कि भूल में भी अभूल सिद्ध हो जायेगा? एडवान्स में संगमयुगी कृष्ण गीता का भगवान साबित हो जाता है परंतु ये भी बताए दिया है कि नेक्स्ट टू गॉड इज़ कृष्ण, नेक्स्ट टू गॉड इज़ नारायण, नेक्स्ट टू गॉड इज़ प्रजापिता, नेक्स्ट टू गॉड इज़ शंकर। तो ये शंकर, नारायण, कृष्ण, प्रजापिता ये एक ही व्यक्तित्व के अलग-2 नाम हैं या व्यक्तित्व अलग-2 हैं? एक ही व्यक्तित्व के चार नाम दिये हैं और चारों ही नामों से एक पर्सनालिटी साबित होती है जिस पर्सनालिटी में शिवबाबा भी प्रत्यक्ष हो जाता है। इसलिए एडवान्स की वो भूल, भूल नहीं है। अभूल साबित हो जाती है।

Time: 45.05-47.46

Question: Baba, instead of the name of the Father the name of the child has been inserted in the Gita. Krishna's name has been inserted instead of Shivbaba. So, how does its shooting take place in the shooting period? Did the shooting take place when those who follow the basic knowledge inserted the name of 'Pitashri' [in the murli]? So, those who follow the advance

knowledge are the seeds of even those people; so, what mistake is committed in the shooting period of those who follow the advance knowledge?

Baba: Arey, will mistakes continue to take place or will even the mistake prove to be correct? The Confluence Age Krishna is proved to be God of the Gita in the advance [party], but it has also been mentioned that *next to God is Krishna, next to God is Narayan, next to God is Prajapita, next to God is Shankar*. So, is this Shankar, Narayan, Krishna, Prajapita different names of the same personality or are the personalities different? The same personality has been given four names and the same *personality* is proved through all the four names and Shivbaba is also revealed through that *personality*. This is why that mistake of the advance [party] is not a mistake. It proves to be correct.

(समय:-00:47:51-00:52:11)

जिज्ञासु— बाबा, भगवान सर्वव्यापी है, ये कह कर भगवान की ग्लानि की है। तो बाप समान बच्चे अष्ट देवों की क्या ग्लानि होती है?

बाबा – अष्ट देवों की क्या ग्लानि होगी, 108 की क्या ग्लानि होगी, 1008 की क्या ग्लानि होगी, 16108 की क्या ग्लानि होगी या नौ लाख की क्या ग्लानि होगी, क्या मतलब?

जिज्ञासु— जो बाप के साथ हुआ है वो बच्चों के साथ भी होगा।

बाबा— बाप की तो ग्लानि ये होती है कि बाप को सर्वव्यापी कह दिया है। तो भक्तिमार्ग में जो सर्वव्यापी कह दिया है वो ज्ञानमार्ग में उसकी शूटिंग कैसी होती है? ये बात पूछी जा सकती है। ज्ञानमार्ग में शिवबाप तो एकव्यापी ही रहता है, मुकर्रर रथ में ही व्याप्त होता है। लेकिन जिस मुकर्रर रथ में व्यापी होकर के आता है उस मुकर्रर रथ की याद की शक्ति हरेक आत्मा में नम्बरवार समा जाती है जो कल्प के अंत तक काम देती है। इसलिए संसार में ये गायन चल जाता है कि भगवान सर्वव्यापी है। अर्थात् साकार की याद सहज है या निराकार की याद सहज है? साकार की याद सहज होने के कारण दुनिया के हर मनुष्यमात्र की बुद्धि में वो याद समा जाती है और हर मनुष्यमात्र के जो याद के वायब्रेशन है वो जड़त्वमयी प्रकृति के पाँच तत्वों में समा जाते हैं याद के वायब्रेशन। इसलिए भक्तिमार्ग में कहा जाता है कण-2 में व्यापक है। वो कण-2 भी अविनाशी हैं, पाँच तत्व भी अविनाशी हैं, सिर्फ रूप बदलते हैं जैसे आत्मायें सतोप्रधान से तमोप्रधान बन जाती है। भगवान सर्वव्यापी नहीं होता है लेकिन वास्तव में भगवान जिस तन में प्रवेश करता है उसकी याद सारी दुनिया में व्याप्त हो जाती है। उसी को दुनिया वालों ने कह दिया है भगवान सर्वव्यापी है, फिर कह दिया आत्मा सो परमात्मा। वास्तव में हर आत्मा परमात्मा नहीं है। परमपिता जिस आत्मा में मुकर्रर रूप से प्रवेश करते हैं वो आत्मा ही हीरो पार्टधारी, परमात्मा का पार्ट बजाती है। परंतु बाप की पहचान न होने के कारण भक्तिमार्ग में हर आत्मा को समझ लिया आत्मा सो परमात्मा।

Time: 47.51-52.11

Student: Baba, [people] have defamed God saying 'God is omnipresent'. So, how are the eight deities, the children equal to the Father, defamed?

Baba: What do you mean by 'what defamation of the eight deities will take place, what defamation of the 108 will take place, what defamation of the 1008 will take place, what defamation of the 16108 will take place or what defamation of the 900 thousand take place'?

Student: Whatever has happened with the Father will happen with the children as well.

Baba: The Father has been called omnipresent; this is how the Father's defamation takes place. So, in the path of knowledge how does the *shooting* for everything that is said in the path of *bhakti* take place? This question can be asked. In the path of knowledge the Father Shiva remains present only in one [being] (*ekvyaapi*); He is present only in the permanent chariot (*mukarrar rath*) but the permanent chariot in which He comes, the power of remembrance of that permanent chariot merges number wise (one after the other) in every soul and it proves useful till the end of the *kalpa* (cycle). This is why it is famous in the world that God is

omnipresent. It means 'is the remembrance of the corporeal one easy or is the remembrance of the incorporeal One easy?' As the remembrance of the corporeal one is easy, that remembrance merges in the intellect of every human being of the world and the vibrations of remembrance of every human being merge in the five elements of the inert nature. This is why it is said in the path of *bhakti* that He is present in every particle. Those particles as well as the five elements are imperishable; they just keep changing forms. For example, the souls change from *satopradhaan* (pure) to *tamopradhaan* (impure). God is not omnipresent, but actually the remembrance of the body in which God enters spreads in the entire world. That itself has been termed by the people of the world as 'God is omnipresent'; then it has been said that the soul is equal to the Supreme Soul. Actually, every soul is not the Supreme Soul. The [body of the] soul in which the Supreme Father enters in a permanent way, that soul itself is the hero actor; it plays the part of the Supreme Soul. But as people don't have the recognition of the Father, every soul has been considered to be equal to the Supreme Soul in the path of *bhakti*.

समय—52.20—54.03

जिज्ञासु—सददाम हुसैन को फांसी चढ़ाया गया, ओसामा बिन लादेन को गन से शूट किया गया और अभी ... एक राजा था उसको भी शूट किया गया है। तो ज्ञान से इसका क्या ताल्लुक है? बाबा—वो तो जो ज्यादा दुख देंगे वो दुखी होके मरेंगे। ईश्वरीय नियम तो यही बना हुआ है कि जो दूसरों को ज्यादा दुख देते हैं उनका अंत भी दुख से ही होता है। ऐसे थोड़े ही कि हस्ते — 2 शरीर छोड़ेंगे। हिंसा करेंगे तो हिंसा ही मिलेगी।

Time: 52.20-54.03

Student: Saddam Hussain was hanged to death, Osama - Bin - Laden was shot with a gun and recently, there was a king... he was also shot. How do we tally this in knowledge?

Baba: The one who gives more sorrow will die being sorrowful. This is the Divine law that those who give more sorrow to others, their end is also sorrowful. It is not that they will die smiling. If someone uses violence, he will get just violence in return.

(समय:—00:55:35—00:56:57)

जिज्ञासु — ब्रह्मा बाबा का इच्छा थी कि हम विदेश में जाके यात्रा करें...

बाबा — ब्रह्मा बाबा विदेश में यात्रा...?

जिज्ञासु — ...करना चाहते थे लेकिन उनका स्थूल शरीर छूट गया लेकिन उनका सूक्ष्म शरीर प्रवेश कर के कार्य कर रहा है। तो क्या वो आत्मा उसे विदेश में ले जायेगा?

बाबा — माना स्थूल शरीर विदेश में नहीं जा सका लेकिन सूक्ष्म शरीर देश—विदेश सारी दुनिया का चक्कर लगाए रहा है।

जिज्ञासु — माना मुकर्रर रथ के द्वारा चक्कर लगायेगा क्या?

बाबा — लगायेगा। इसलिए लगायेगा कि साकार शरीर से माता का पार्ट था। माता घर संभालती है या बाहर संभालती है? घर संभालती है इसलिए साकार शरीर से उनका विदेशियों में बाहर के देशों में चक्कर लगाने का पार्ट नहीं है। अंदर ही रहकर के उन्होंने पार्ट बजाया और साकार शरीर छूट गया, माँ का पार्ट खलास हो गया। अब पिता के रूप में वो आत्मा, अर्धनारीश्वर के रूप में सारी दुनिया में चक्कर लगायेगी। बाप बाहर संभालता है, माता घर संभालती है।

Time: 55.35-56.57

Student: Brahma Baba had the desire to travel to foreign countries.

Baba: Brahma Baba ... travel abroad?

Student: He wanted [to travel] but he lost his physical body, his subtle body is entering and performing its task. So, will that soul (the one whose body Brahma Baba enters) take it abroad?

Baba: Do you mean to say that his physical body could not go abroad, but the subtle body is travelling in the entire world, within the country and abroad?

Student: Will he travel through the permanent chariot?

Baba: He will. He will travel because he played the *part* of a mother through the corporeal body. Does a mother take care of the house or the outside? She takes care of the house. This is why he does not have a *part* of travelling abroad, the foreign countries through the corporeal body. He played a *part* while remaining in [India]. Then he lost his corporeal body; the *part* of the mother was over. Now in the form of the father, in the form of Ardhanaariishvar⁶ he will travel in the entire world. The father takes care of the outside affairs and the mother takes care of the home.

(समय:-01:00:12-01:01:52)

जिज्ञासु – बाबा, विष्णु का पार्ट लव और लॉ के बैलेन्स का पार्ट है। तो बौद्धी धर्म में भी बैलेन्स होता है। ज्यादा सुख भी नहीं देते, ज्यादा दुख भी नहीं देते।

बाबा – अपने परिवार वालों को दुख देते हैं या सुख देते हैं? जो उनके परिवार के बीवी बाल बच्चें हैं उनको दास दासी बनाय देते हैं, खुद भाग जाते हैं, तो दुखी बनाय देते हैं या सुखी बनाय देते हैं? दुखी बनाय दिया। तो सारी दुनिया का कोई कल्याण करें और अपने परिवार वालों को खैरात न बांटे, तो दुख देने वाला हुआ या सुख देने वाला हुआ?

जिज्ञासु – विष्णु प्युरिटी की शक्ति से बैलेन्स रखती है लव और लॉ...

बाबा – न ज्यादा नरम, न ज्यादा गरम। सहनशक्ति की जगह सहनशक्ति से काम लेना और सामना करने की जगह सामना करने से काम लेना उसको कहा जाता है विष्णु, बैलेन्स में रहना।

Time: 01.00.12-01.01.52

Student: Baba, Vishnu's part is that of the balance of love and law. There is balance among the Buddhists as well. They neither give more happiness nor give more sorrow.

Baba: Do they give sorrow or happiness to their family members? They make their wife and children into slaves, they themselves run away, so do they make them sorrowful or do they make them happy? They made them sorrowful. So, if someone brings benefit to the entire world but does not give happiness to his family members, then is he the one who gives sorrow or happiness?

Student: Vishnu maintains the balance of love and law with the power of purity...

Baba: Neither softer nor stricter. To use the power of tolerance when tolerance is required and to confront where confronting it is required - this is called Vishnu, maintaining balance. (Concluded.)

⁶ Form of God that is half male and half female